भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 28 जून, 2025
जारी करने का समय: 1500 घंटे

विषय: (i) अगले 2 दिनों के दौरान देश के शेष भागों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल हो रही हैं।
(ii) अगले 7 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम, मध्य, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है, 30 जून, 2025 को उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून (अनुलग्नक I):

- ❖ मानसून की उत्तरी सीमा 27.0°N/68.5°E, 27.0°N/70.0°E, जैसलमेर, बीकानेर, झुंझुनू, भरतपुर, रामपुर, सोनीपत, अनूप नगर और 29.0°N/70.0°E से होकर गुजर रही है।
- ❖ अगले 2 दिनों के दौरान देश के शेष हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल होती जा रही हैं।

पिछले 24 घंटों का वास्तविक मौसम (28 जून, 2025 की 0830 IST तक) (अनुलग्नक II):

- ❖ उत्तराखंड, पूर्वी मध्य प्रदेश, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई है; हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, पश्चिम राजस्थान, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, पश्चिम मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल में गंगा के मैदानी इलाके, ओडिशा, झारखंड, विदर्भ, नागालैंड, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण, मध्य महाराष्ट्र, तटीय कर्नाटक, केरल और माहे में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा दर्ज की गई है।
- ❖ हिमाचल प्रदेश, सौराष्ट्र और कच्छ, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, मध्य महाराष्ट्र, पश्चिम उत्तर प्रदेश, गुजरात क्षेत्र, मध्य प्रदेश, हरियाणा, केरल, कोंकण, मराठवाड़ा और बिहार में अलग-अलग स्थानों पर 40-70 किमी प्रति घंटे की गति से तूफानी/तेज हवाओं के साथ तूफान आया।

विस्तृत मौसम विवरण के लिए अनुलग्नक I देखें।

मौसमी प्रणालियाँ, पूर्वानुमान एवं चेतावनी (अनुलग्नक III & IV देखें):

मौसम प्रणालियां:

- ❖ सौराष्ट्र और कच्छ तथा उससे सटे पूर्वोत्तर अरब सागर पर ऊपरी हवा के चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव में, आज 28 जून, 2025 को 0830 बजे IST पर कच्छ और आसपास के क्षेत्रों में एक निम्न दबाव का क्षेत्र बना है।
- ❖ निचले क्षोभमंडल स्तरों में दक्षिण उत्तर प्रदेश के मध्य भागों पर एक चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।

- दक्षिण-पश्चिम बांग्लादेश और उससे सटे गंगीय पश्चिम बंगाल पर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है, जो ऊंचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुकते हुए मध्य क्षोभमंडल स्तरों तक बढ़ा हुआ है। इसके प्रभाव में कल तक उत्तरी बंगाल की खाड़ी और उससे सटे तटीय बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल पर एक निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। इसके बाद इसके गंगीय पश्चिम बंगाल और उत्तरी ओडिशा और झारखंड में धीरे-धीरे पश्चिम-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है।
- दक्षिण-पश्चिम बांग्लादेश और उससे सटे गंगीय पश्चिम बंगाल पर ऊपरी हवा के चक्रवाती परिसंचरण से निचले क्षोभमंडल स्तरों में उत्तर-पूर्व मध्य प्रदेश तक एक पूर्व-पश्चिम द्रोणिका बनी हुई है।
- निचले क्षोभमंडल स्तर पर पूर्वोत्तर असम पर एक चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।

  इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- अगले 7 दिनों के दौरान कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों, गुजरात राज्य में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।
- अगले 7 दिनों के दौरान क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- 30 जून को उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (>20 सेमी/24 घंटे) होने की संभावना है।
- 28 जून से 04 जुलाई के दौरान हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश में; 28 जून से 02 जुलाई के दौरान पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में; 28 जून, 03 और 04 जुलाई को पश्चिमी राजस्थान में; 01-04 जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है तथा 29 और 30 जून को हिमाचल प्रदेश में; 28 जून से 02 जुलाई के दौरान उत्तराखंड में; 29 जून को पंजाब; 29 और 30 जून को हरियाणा, चंडीगढ़; 29 जून, 01 और 02 जुलाई को उत्तर प्रदेश; 03 और 04 जुलाई को पूर्वी राजस्थान में बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।
- अगले 7 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा, साथ में आंधी, बिजली गिरने और 30-40 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने की संभावना है।

पूर्वी और मध्य भारत:

- 28 जून से 4 जुलाई के दौरान मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा में; 1 और 2 जुलाई को विदर्भ; 28 जून को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह; 28 जून से 30 जून से 2 जुलाई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 28 जून से 1 जुलाई के दौरान पश्चिम बंगाल में गंगा के मैदानी क्षेत्र; 29 जून से 4 जुलाई के दौरान बिहार में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा; 28 जून, 1 और 2 जुलाई को पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 28 जून से 1-4 जुलाई के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश; 1 और 2 जुलाई को छत्तीसगढ़; 29 और 30 जून को पश्चिम बंगाल में गंगा के मैदानी क्षेत्र; 29 जून से 2 जुलाई के दौरान बिहार; 29 जून से 1 जुलाई के दौरान झारखंड; 28 जून से 1 जुलाई के दौरान ओडिशा में बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 7 दिनों के दौरान मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड में; 28 और 29 तारीख को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और ओडिशा; 28-30 जून के दौरान पश्चिम बंगाल में गंगा के मैदानी क्षेत्र; 01 और 02 जुलाई को विदर्भ में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा, गरज, बिजली और 30-40 किमी प्रति घंटे की गति तक पहुंचने वाली तेज हवाएं चलने की संभावना है।

उत्तर-पूर्वी भारत:

- अगले 7 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर भारत में अधिकांश स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा, गरज के साथ तूफान, बिजली चमकने और कुछ स्थानों पर भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है। 02 और 03 जुलाई को अरुणाचल प्रदेश में बहुत भारी वर्षा, 02-04 जुलाई के दौरान असम और मेघालय में, तथा 01 और 02 जुलाई को नागालैंड में भारी वर्षा होने की संभावना है।

दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत:

- 28 जून को तमिलनाडु में; 28 और 29 जून को केरल और माहे, 3 और 4 जुलाई को; 2-4 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना; 28 जून को केरल में बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- 28 और 29 जून को तमिलनाडु में; 28 जून को केरल और माहे, तटीय कर्नाटक; 28 जून से 2 जुलाई के दौरान आंतरिक कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा और तेलंगाना में तेज सतही हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटे की गति तक पहुंचने वाली) चलने की संभावना है।
- अगले 5 दिनों के दौरान केरल और माहे, लक्षद्वीप, तटीय कर्नाटक में कई/कुछ स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, तटीय कर्नाटक में अलग-अलग गरज के साथ छिटपुट वर्षा की संभावना है।

गर्म और आर्द्र मौसम की चेतावनी:

- 28-30 जून के दौरान असम और तमिलनाडु के मैदानी इलाकों में गर्म और आर्द्र मौसम रहने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 28 से 03 जुलाई, 2025 तक निम्नलिखित क्षेत्रों में जाने से बचें।

अरब सागर:

- मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे पहले और पांचवें दिन (28 जून से 3 जुलाई) गुजरात तट पर न जाएं, पहले से दूसरे दिन (28 से 29 जुलाई) के लिए संपूर्ण कोंकण तट पर, पांचवें दिन (28 जून) के लिए उत्तरी कोंकण तट पर और उसके आसपास, पहले दिन (28 जून) के लिए गोवा तट पर और उसके आसपास; पहले दिन (28 जून) के लिए कर्नाटक, केरल के तटों पर और उसके आसपास; मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे पहले दिन से पांचवें दिन (28 जून से 2 जुलाई) के लिए सोमालिया तट और उसके आसपास के समुद्री क्षेत्रों, ओमान और उससे सटे यमन तट और उसके आसपास के समुद्री क्षेत्रों में न जाएं। पहले दिन से पांचवें दिन (28 जून से 2 जुलाई) के लिए मध्य और उससे सटे उत्तर, दक्षिण अरब सागर के ऊपर; पहले दिन से पांचवें दिन (28 जून से 2 जुलाई) के लिए उत्तर अरब सागर के अधिकांश भागों में न जाएं।

बंगाल की खाड़ी:

- मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे पहले, दूसरे और पांचवें दिन उत्तरी आंध्र प्रदेश के इलाकों में, पहले से पांचवें दिन उत्तरी आंध्र प्रदेश और उससे सटे ओडिशा तथा पश्चिम बंगाल के तट पर न जाएं। पहले से चौथे दिन मध्य खाड़ी और उत्तरी खाड़ी के कई हिस्सों में तथा पहले से चौथे दिन दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में न जाएं। मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे पहले और दूसरे दिन मन्नार की खाड़ी में न जाएं। मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे पहले से तीसरे दिन (28 जून से 1 जुलाई) अंडमान सागर में न जाएं। उपर्युक्त क्षेत्रों और तिथियों में मछली पकड़ने के काम को पूरी तरह से स्थगित करने का सुझाव दिया जाता है।

ii. 28 जून से 01 जुलाई, 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक V)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

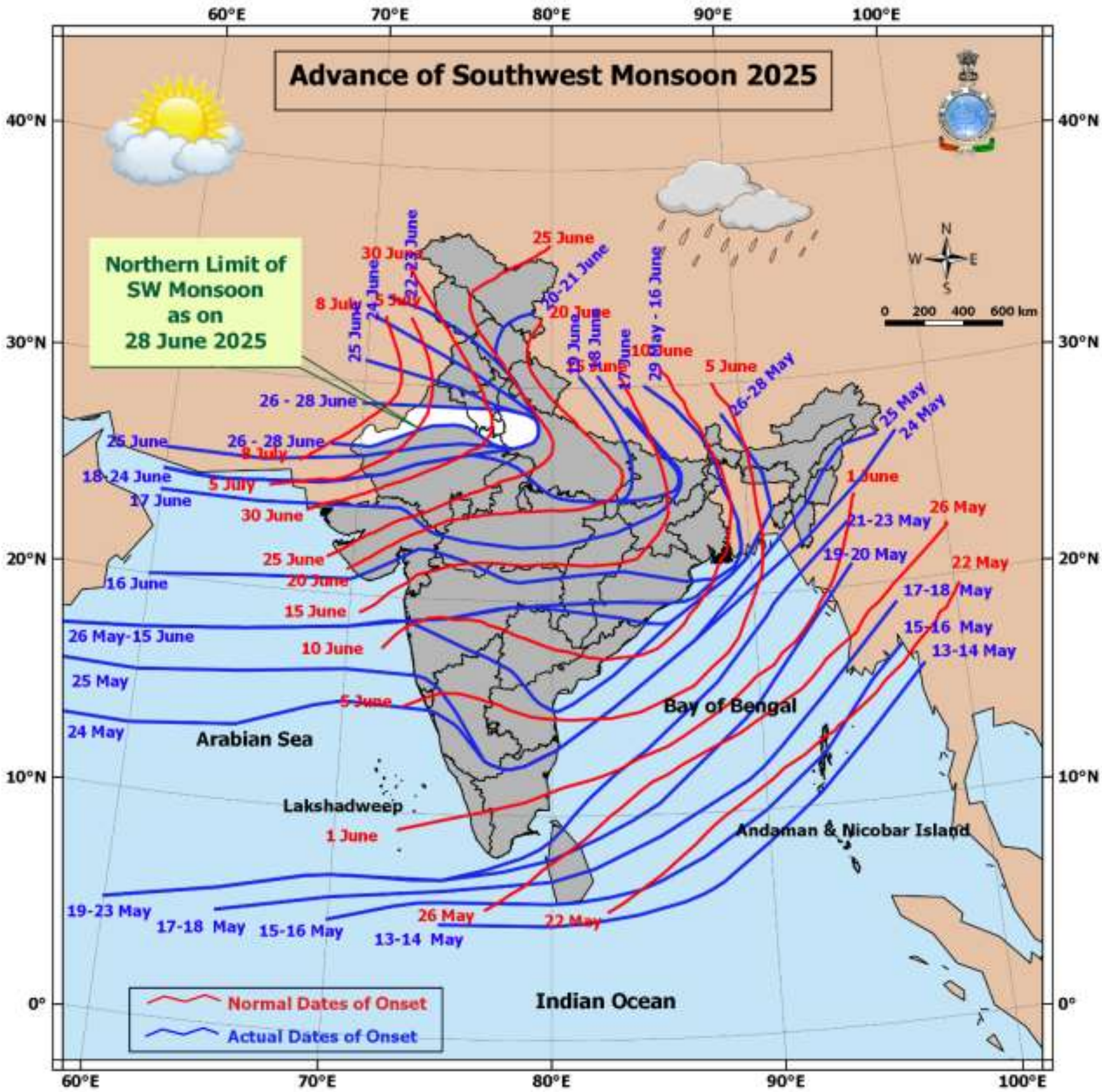
Advance of Southwest Monsoon 2025
Northern Limit of SW Monsoon as on 28 June 2025
Normal Dates of Onset
Actual Dates of Onset
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
Lakshadweep
Andaman & Nicobar Island
26 - 28 June
25 June
18-24 June
17 June
16 June
26 May-15 June
25 May
24 May
19-23 May
17-18 May
15-16 May
13-14 May
8 July
5 July
30 June
20 June
15 June
10 June
5 June
1 June
26 May
22 May
20-21 June
10 June
29 May - 16 June
26-28 May
21-23 May
19-20 May
24 May
N
S
W
E
0 200 400 600 km
60°E
70°E
80°E
90°E
100°E
40°N
30°N
20°N
10°N
0°

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- **उत्तराखंड**: चमोली (जिला चमोली) 18; जौलीग्रांट (जिला देहरादून) 17; सामा (जिला बागेश्वर), लोहारखेत (जिला बागेश्वर) 14 प्रत्येक; कपकोट (जिला बागेश्वर) 12; देहरादून (जिला देहरादून) 10; रुद्रप्रयाग (जिला रुद्रप्रयाग), नरेंद्रनगर (जिला गढ़वाल टेहरी) 7 प्रत्येक; पूर्वी मध्य प्रदेश: देवेन्द्रनगर (जिला पन्ना) 13; गोनौर (जिला पन्ना) 12; नौगोंग (जिला छतरपुर), पन्ना-आव्स (जिला पन्ना), पलेरा (जिला टीकमगढ़), मटियारी (जिला मंडला) 10 प्रत्येक; सतना (रघुराजनगर) (जिला सतना), पवई (जिला पन्ना), बहोरीबंद (जिला कटनी) 9 प्रत्येक; मोहगांव (जिला मंडला), उचेहरा (जिला सतना) 8 प्रत्येक; जबलपुर-एडब्ल्यूएस (जिला जबलपुर), कटनी (मुडवारा) (जिला कटनी), नैनपुर (जिला मंडला), हनुमना (जिला रीवा), मालथौन (जिला सागर), घुघरी (जिला मंडला), खरगापुर (जिला टीकमगढ़) 7 प्रत्येक;
- **अंडमान और निकोबार द्वीप समूह**: माया बंदर (जिला उत्तर और मध्य अंडमान) 13, लॉन्ग आइलैंड (जिला उत्तर और मध्य अंडमान) 3;
- **पूर्वी मध्य प्रदेश**: देवेन्द्रनगर (जिला पन्ना) 13, गोनौर (जिला पन्ना) 12, पन्ना-आवस (जिला पन्ना) 10, पलेरा (जिला टीकमगढ़) 10, नौगोंग (जिला छतरपुर) 10, मटियारी (जिला मण्डला) 10, पवई (जिला पन्ना) 9, सतना (रघुराजनगर) (जिला सतना) 9, बहोरीबंद (जिला कटनी) 9, मोहगांव (जिला मंडला) 9, उचेहरा (जिला सतना) 8, नैनपुर (जिला मंडला) 7, मालथौन (जिला सागर) 7, खरगापुर (जिला टीकमगढ़) 7, कटनी (मुडवारा) (जिला कटनी) 7, हनुमना (जिला रीवा) 7, जबलपुर-आवास (जिला जबलपुर) 7, घुघरी (जिला मंडला) 7, नागोडे (जिला सतना) 7, बीजाडांडी (जिला मंडला) 6;
- **पंजाब**: लोहंड (जिला रूपनगर) 11, कोटला (जिला रूपनगर) 10, भरतगढ़ (जिला रूपनगर) 7;
- **ओडिशा**: बंसपाल (जिला क्योंझरगढ़) 11; जयपुर (जिला बालासोर), हाताडीही (जिला क्योंझरगढ़) 9 प्रत्येक; रेमुना (जिला बालासोर), भद्रक (जिला भद्रक), कप्तिपाड़ा (जिला मयूरभंज) 8 प्रत्येक; बालासोर (जिला बालासोर), तिहिडी (जिला भद्रक), घासीपुरा (जिला क्योंझरगढ़), सरसाकाना (जिला मयूरभंज) 7 प्रत्येक; पंजाब: लोहंड (जिला रूपनगर) 11; कोटला (जिला रूपनगर) 9; भरतगढ़ (जिला रूपनगर) 7;
- **पूर्वी उत्तर प्रदेश**: घोरावल (जिला सोनभद्र) 10, रॉबर्ट्सगंज (जिला सोनभद्र) 8, चुर्क (जिला सोनभद्र) सोनभद्र) 7;
- **मध्य महाराष्ट्र**: इगतपुरी (जिला नासिक) 10; शाहूवाड़ी (जिला कोल्हापुर) 8; गगनबावड़ा (जिला कोल्हापुर) 7;
- **हरियाणा**: ताजेवाला (जिला यमुनानगर) 9, प्रतापनगर रेव (जिला यमुनानगर) 8, हथिनीकुंडबेराज एडब्ल्यूएस (जिला यमुनानगर) 4;
- **छत्तीसगढ़**: बलौदा (जिला जांजगीर) 9, सोनाखान (जिला बलौदा बाजार) 8, तिल्दा (जिला रायपुर) 5;
- नागालैंड: सताका एआरजी (जिला जुन्हेबोटो) 9;
- **पश्चिमी उत्तर प्रदेश**: सहारनपुर (जिला सहारनपुर) 9;
- **तटीय कर्नाटक**: कादरा (जिला उत्तर कन्नड़) 9, कैसल रॉक (जिला उत्तर कन्नड़) 8;
- **सौराष्ट्र और कच्छ**: कल्याणपुर (जिला देवभूमि द्वारका) 8, मांडवी (के) (जिला कच्छ) 7, द्वारका (जिला देवभूमि द्वारका) 5;
- **झारखंड**: तेनुघाट (जिला-बोकारो) 8; हेरहंज (जिला लातेहार) 7;
- **केरल और माहे**: पीरुमेदु (इडुक्की जिला) 8, थालास्सेरी (कन्नूर जिला) 7;
- **पश्चिम मध्य प्रदेश**: आरोन (जिला गुना) 7, विजयपुर (एडीपी) (जिला श्योपुर) 4, खिलचीपुर (जिला राजगढ़) 4;
- **पश्चिमी राजस्थान**: जैसलमेर (जिला जैसलमेर) 7, जैसलमेर तहसील सीनियर (जिला जैसलमेर) 4;
- **हिमाचल प्रदेश**: पालमपुर (जिला कांगड़ा) 7, कसौली (जिला सोलन) 5;
- **गांगेय पश्चिम बंगाल**: सागर द्वीप पीटीओ (जिला दक्षिण 24 परगना) 7, दुर्गाचक (जिला पूर्वी मिदनापुर) 7, अमता (जिला हावड़ा) 7;
- **कोंकण**: कंकवली (जिला सिंधुदुर्ग) 7;
- **विदर्भ**: कुही (जिला नागपुर) 7, गोंदिया एपी (जिला गोंदिया) 4;

बीते 24 घंटों में दर्ज झोंकेदार हवाएँ (किमी/घंटा, 28 जून 2025, 0830 बजे IST तक):

- **हिमाचल प्रदेश:** रिकांग पीईओ 65, सेबाग 35, नेरी और ताबो 31;
- सौराष्ट्र और कच्छ: वेरावल (गिरसोमनाथ) 59;
- **अंडमान और निकोबार द्वीप समूह**: श्री विजयपुरम 53;
- **मध्य महाराष्ट्र**: महाबलेश्वर (सतारा) 52, विल्होली (नासिक) 50, सांगोला (सोलापुर) 43;
- **पश्चिमी उत्तर प्रदेश**: आगरा (आईएएफ) 50;
- **गुजरात क्षेत्र**: अर्नेज (अहमदाबाद) 50;
- **पश्चिम मध्य प्रदेश**: हरदा 50, उज्जैन 44, इंदौर 43, सीहोर 37, ग्वालियर 33, आगर 35, गुना 30;
- **पूर्वी मध्य प्रदेश**: सिंगरौली 48, अन्नूपुर 31, सागर 31;
- **हरियाणा**: हिसार 48; जिंद 33; यमुनानगा एवं कैथल 30;
- **केरल**: कासरगोड 44, तिरुवनंतपुरम और एर्नाकुलम 43 प्रत्येक;
- **कोंकण**: सांताक्रूज़ 44, पालघर 43, दापोली (रत्नागिरी) 41;
- **मराठावाड़ा**: अम्बेजोगाई (बीड) 43;
- **बिहार**: पूर्वी चंपारण 41; सुकेहट, सरैया 35; आईआईटी पटना, पूसा, शेखपुरा 33; औरंगाबाद, सिपाया, खगड़िया, मधेपुरा, अगवानपुर 31; बेगुसराय,कटिहार,मुजफ्फरपुर 30

अनुलग्नक III

Table-1

7 Days Rainfall Forecast

S.No.	Subdivision	28- Jun Day 1	29- Jun Day 2	30- Jun Day 3	1- Jul Day 4	2- Jul Day 5	3- Jul Day 6	4- Jul Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	FWS	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	WS
7	ODISHA	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	WS
8	JHARKHAND	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
9	BIHAR	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
10	EAST UTTAR PRADESH	FWS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
11	WEST UTTAR PRADESH	SCT	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
12	UTTARAKHAND	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	FWS	FWS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
14	PUNJAB	FWS	FWS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS
18	EAST RAJASTHAN	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	WS	WS
19	WEST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
21	GUJRAT REGION	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
22	SAURASHTRA & KUTCH	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	FWS	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	SCT	SCT	SCT	WS	WS	FWS	FWS
27	CHHATTISGARH	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	FWS	SCT	FWS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	WS	FWS	SCT	SCT	FWS	WS	WS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।

अनुलग्नक IV

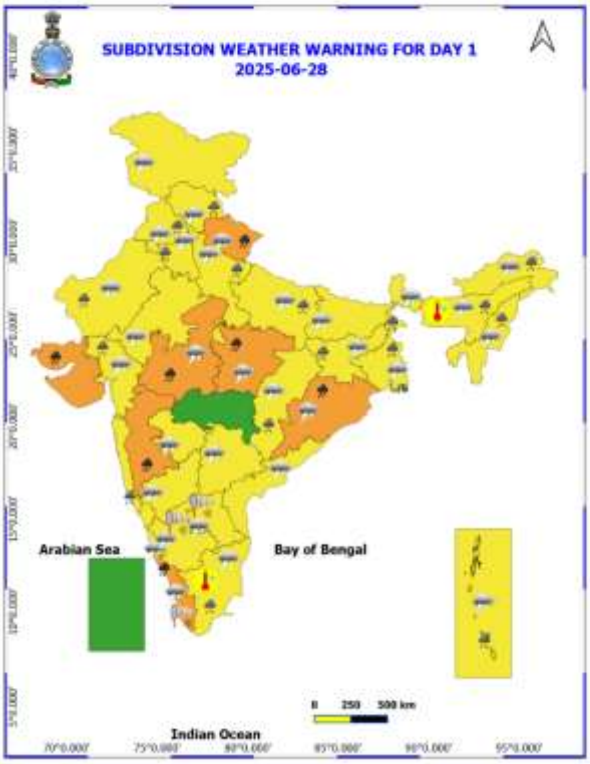

SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-06-28
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

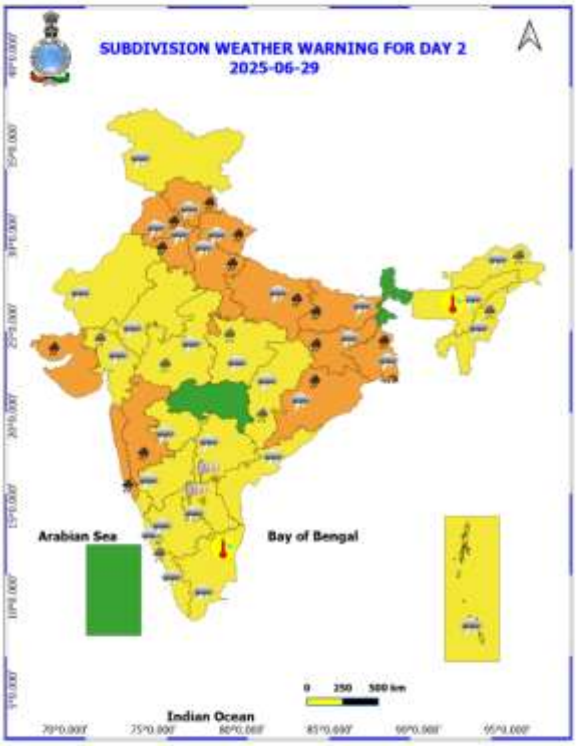

SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-06-29
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

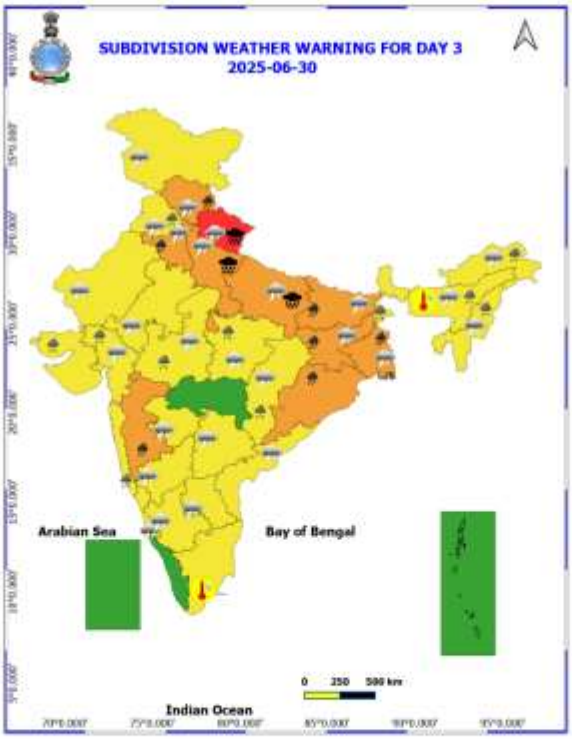

SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-06-30
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

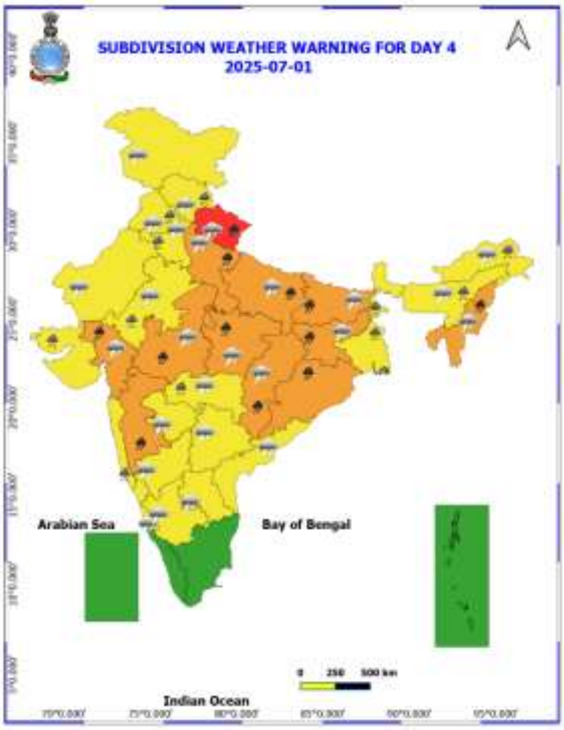

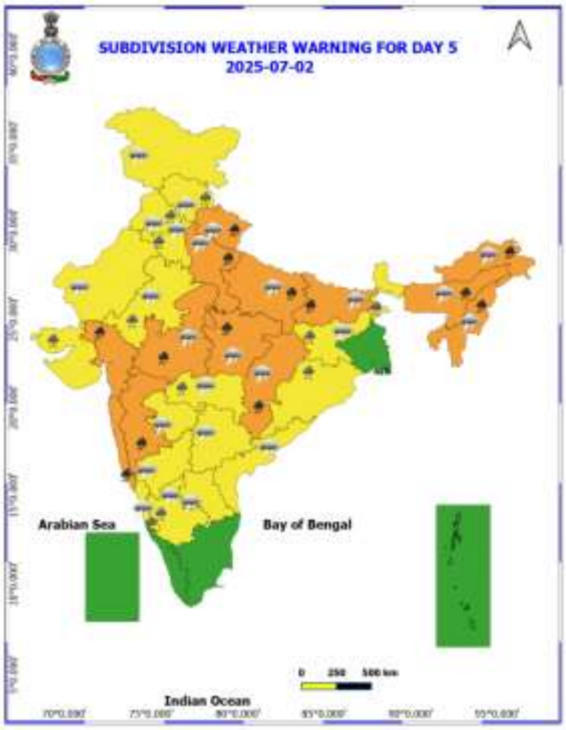

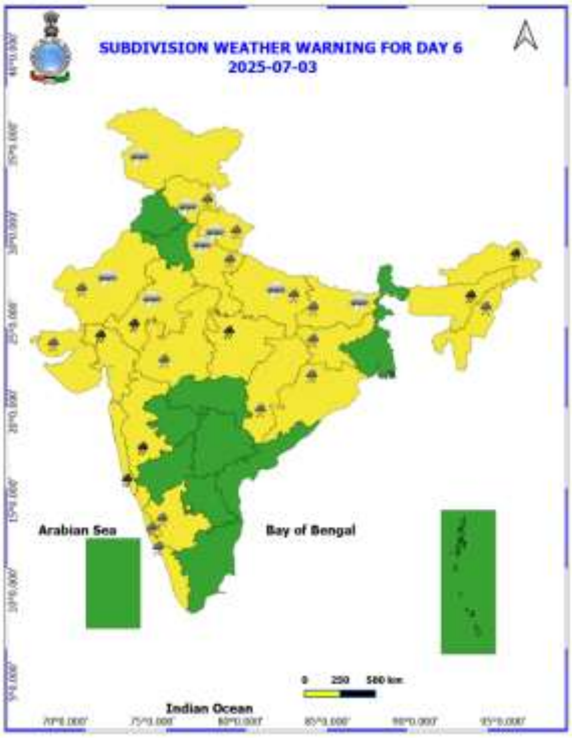

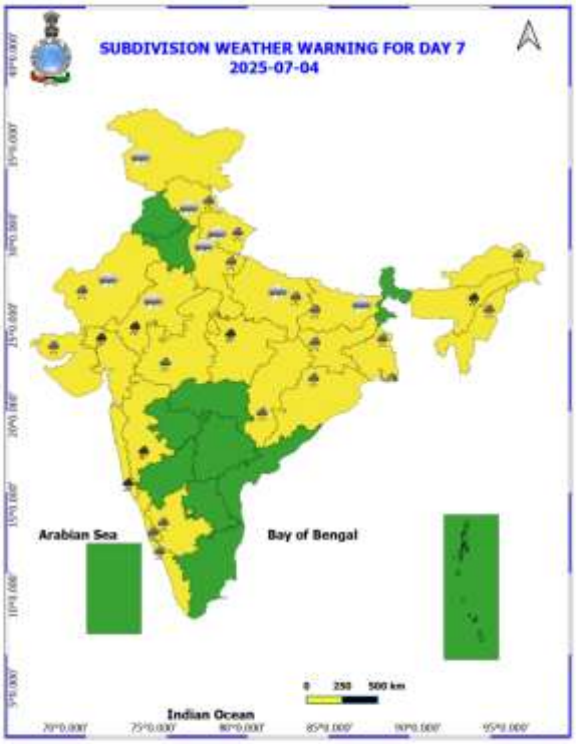

- **नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।**
- **असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।**
- **जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।**

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक V

दिल्ली/एनसीआर में 28 जून से 01 जुलाई 2025 के दौरान मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम तापमान में थोड़ी गिरावट और अधिकतम तापमान में लगभग 1°C की वृद्धि दर्ज की गई। दिल्ली में अधिकतम तापमान लगभग 37 से 39 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान लगभग 25 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। न्यूनतम और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहा। आंशिक रूप से बादल छाए रहे और पूर्व/दक्षिण-पूर्व दिशा से सतही हवाएं चलीं जिनकी गति 18 किमी प्रति घंटा तक रही। आज पूर्वाह्न में क्षेत्र में आंशिक रूप से बादल छाए रहे और दक्षिण-पूर्व दिशा से हवाएं चलीं जिनकी गति 08 किमी प्रति घंटा से कम रही।

मौसम पूर्वानुमान:

28.06.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। शाम/रात्रि के समय हल्की से मध्यम वर्षा के साथ गर्जना/आकाशीय बिजली हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 36 से 38 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। दोपहर के समय प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से लगभग 15 किमी प्रति घंटा की गति से चलेगी। शाम और रात के समय यह हवा दक्षिण दिशा से 08-10 किमी प्रति घंटा की गति से चलेगी।

29.06.2025: आम तौर पर आकाश में बादल छाए रहेंगे। हल्की से मध्यम वर्षा/गर्जना/आकाशीय बिजली के साथ तेज हवा (गति 30 - 40 किमी प्रति घंटा) चल सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 32 से 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक कम रहेगा। सुबह के समय प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटा से कम गति से चलेगी। दोपहर में यह गति बढ़कर 15-20 किमी प्रति घंटा हो जाएगी और शाम/रात्रि में घटकर 18 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।

30.06.2025: आम तौर पर आकाश में बादल छाए रहेंगे। गरज/आकाशीय बिजली के साथ हल्की वर्षा होने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 32 से 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा। सुबह के समय प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटा से कम गति से चलेगी। दोपहर में गति घटकर 10 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी और शाम/रात्रि में यह हवा फिर से 15 किमी प्रति घंटा से कम की गति से चलेगी।

01.07.2025: आम तौर पर आकाश में बादल छाए रहेंगे। गरज/आकाशीय बिजली के साथ हल्की वर्षा की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 32 से 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 3 डिग्री सेल्सियस कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा। सुबह के समय प्रमुख सतही हवा पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटा से कम गति से चलेगी। दोपहर में यह गति घटकर 10 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी और शाम/रात्रि में यह हवा दक्षिण-पश्चिम दिशा से 12 किमी प्रति घंटा से कम गति से चलेगी।

गरज-चमक/तेज हवाओं के कारण संभावित प्रभाव और सुझावित कार्रवाई:

- गरज-चमक की संभावना को देखते हुए सतर्क रहें और आवश्यक सावधानी बरतें। पेड़ों की टहनियों के टूटने, बड़े पेड़ों के गिरने, सूखी टहनियों के उड़ने की संभावना। खड़ी फसलों को नुकसान, बिजली और संचार लाइनों को नुकसान, कमजोर संरचनाओं को आंशिक क्षति, ढीली वस्तुएँ उड़ सकती हैं।
- मौसम की स्थिति पर नजर रखें और स्थिति बिगड़ने पर सुरक्षित स्थानों की ओर जाएँ। घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाजे बंद रखें, यात्रा से बचें, सुरक्षित आश्रय लें। पेड़ों के नीचे शरण न लें, सीमेंट की ज़मीन पर न लेटें और दीवारों से न सटें। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें, जलाशयों से तुरंत बाहर आ जाएँ, और बिजली प्रवाह करने वाली वस्तुओं से दूर रहें।

अत्यधिक भारी वर्षा/बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- 30 जून को उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (**>20** सेमी/**24** घंटे) होने की संभावना है।
- अगले 7 दिनों के दौरान कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्र, गुजरात राज्य में; 29 और 30 जून को हिमाचल प्रदेश, गंगीय पश्चिम बंगाल; 28 जून को केरल; 28 जून-02 जुलाई के दौरान उत्तराखंड; 29 जून को पंजाब; 29 और 30 जून को हरियाणा, चंडीगढ़; 29 जून, 01 और 02 जुलाई को उत्तर प्रदेश; 03 और 04 जुलाई को पूर्वी राजस्थान; 28 जून, 01 और 02 जुलाई को पश्चिम मध्य प्रदेश; 28 जून को पूर्वी मध्य प्रदेश और 01-04 जुलाई के दौरान; 01 और 02 जुलाई को नागालैंड और छत्तीसगढ़ झारखंड में 29 जून से **1** जुलाई तक; ओडिशा में 28 जून से **1** जुलाई तक; अरुणाचल प्रदेश में 2 और 3 जुलाई तक; असम और मेघालय में 2-4 जुलाई तक अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव

- स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
- भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
- कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना
- जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

- अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
- इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी / अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **उत्तराखंड** में, धान की नर्सरी की बुवाई स्थगित करें। अरहर, मूंगफली, मक्का, गन्ना, बाजरा, रागी, पहले से बोई गई धान की नर्सरी, राजमा, उड़द, मूंग, सब्जी और बागों में उचित जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें। पकी हुई सब्जियों (कद्दू, टमाटर, भिंडी, मिर्च, फ्रेंच बीन आदि) और फलों को तोड़कर सुरक्षित स्थान पर रखें। गन्ने के पौधों को गिरनें से बचाने हेतु आपस में बांध दें। **उत्तराखंड** के **भाबर और तराई क्षेत्र** में धान की नर्सरी, सोयाबीन, राजमा, उड़द और मूंग की बुवाई स्थगित करें। वसंतकालीन मक्का की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें।
- **हिमाचल प्रदेश** में, सब्जियों और फलों के बागों में जल निकासी की व्यवस्था बनाएं रखें। मिट्टी जनित रोगों की संम्भावना को कम करने के लिए टमाटर के पौधों से खरपतवार और निचली पत्तियां हटा दें। लताओं और लंबी सब्जी फसलों (टमाटर, शिमला मिर्च आदि) के लिए सहारे को मजबूत बनाएँ। भारी बारिश के कारण होने वाले नुकसान को कम करने के लिए आलूबुखारा, नाशपाती और स्टोन-फ्रूट के पके हुए फलों की तुड़ाई करें। **मंडी जिले** में मक्का की बुवाई और चावल की रोपाई स्थगित करें। चावल की नर्सरी और पहले से बोए गए मक्का के खेत से अतिरिक्त पानी निकाल दें।

- **पश्चिमी उत्तर प्रदेश** में, मक्का की बुआई स्थगित करें। पहले से बोई गई मक्का, चावल की नर्सरी, अरहर, गन्ने और सब्ज़ियों, से अतिरिक्त पानी निकाल दें। गन्ने के पौधों को गिरने से बचाने के लिए उन्हें आपस में बाँध दें। **पूर्वी उत्तर प्रदेश** में, अरहर और उड़द की बुआई स्थगित कर दें। सब्जियोंए देर से बोई गई धान की नर्सरी, मूंगफली, मूंग और मक्का से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था बनाए रखें।
- **पंजाब में,** कपास, मक्का के खेतों और बागानों से अतिरिक्त पानी निकालनें की व्यवस्था बनाए रखें।
- **छत्तीसगढ़** में, धान की नर्सरी में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- **झारखंड में,** पहले से बोए गए मक्का के खेतों, धान और सब्जी की नर्सरियों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए आवश्यक व्यवस्था करें।
- **गुजरात में**, बोई गई धान की नर्सरी, गन्ने के खेतों, केले और आम के बागानों में जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें। गन्ने और केले को गिरने से बचाने के लिए उन्हें प्रदान करें। **सौराष्ट्र और कच्छ में**, सब्जी नर्सरी और बागवानी फसलों से अतिरिक्त वर्षा जल निकाल दें। तीव्र हवाओं और भारी वर्षा से बचाने के लिए गन्ने को मजबूत बांस से सहारा दें या पत्तियों को एक साथ बांध दें।
- **कोंकण और गोवा** में, जलभराव से बचाव हेतु धान की नर्सरी, रागी तथा मूंगफली के खेतों और बागवानी फसलों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें। **मध्य महाराष्ट्र** के **घाट क्षेत्रों** में**,** जलभराव को रोकने के लिए धान की नर्सरी, सब्जियों और बगीचों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें।
- **पश्चिम मध्य प्रदेश** में मक्का की कटाई को स्थगित करें। बाजरा, सोयाबीन, अरहर और धान की नर्सरी की बुआई को स्थगित करें। जलभराव से बचने के लिए सब्जियों और बगानों से अतिरिक्त जल निकालने के लिए आवश्यक प्रबंध करें। **पूर्वी मध्य प्रदेश** में, परिपक्व मक्का, मूंग और उड़द की कटी हुई फसल को सुरक्षित सथान पर रखें। पहले से बोए गए/रोपे गए खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- **ओडिशा में,** पहले से बोई गई धान की नर्सरी, मक्का और सब्जियों के खेतों से जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। बीजों को बहने से रोकने के लिए धान और सब्जियों की नर्सरी को प्लास्टिक शीट से ढक दें।
- **गंगेय पश्चिम बंगाल** में, चावल की नर्सरी और अदरक को जल जमाव से बचाने हेतु अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था बनाएं रखें ।
- **केरल में**, धान की नर्सरी, रोपित धान के खेतों, नारियल और केले के बागानों में जलजमाव को रोकने के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। केले के पौधों को भारी बारिश से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

आकस्मिक बाढ़ मार्गदर्शन:

29-06-2025 को 1130 IST तक फ्लैश फ्लड रिस्क (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-विभागों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और पड़ोस में मध्यम से उच्च फ्लैश फ्लड जोखिम की संभावना है।

हिमाचल प्रदेश - सोलन, कांगड़ा, मनडी और सिरमौर जिले।

उत्तराखंड - अल्मोड़ा, बागेश्वर, चमोली, चंपावत, देहरादून, नैनीताल, पौड़ी गढ़वाल, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल और उत्तरकाशी जिले।

अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा की वजह से मानचित्र में दिखाए गए अनुसार चिंता के क्षेत्र (AoC) में कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।

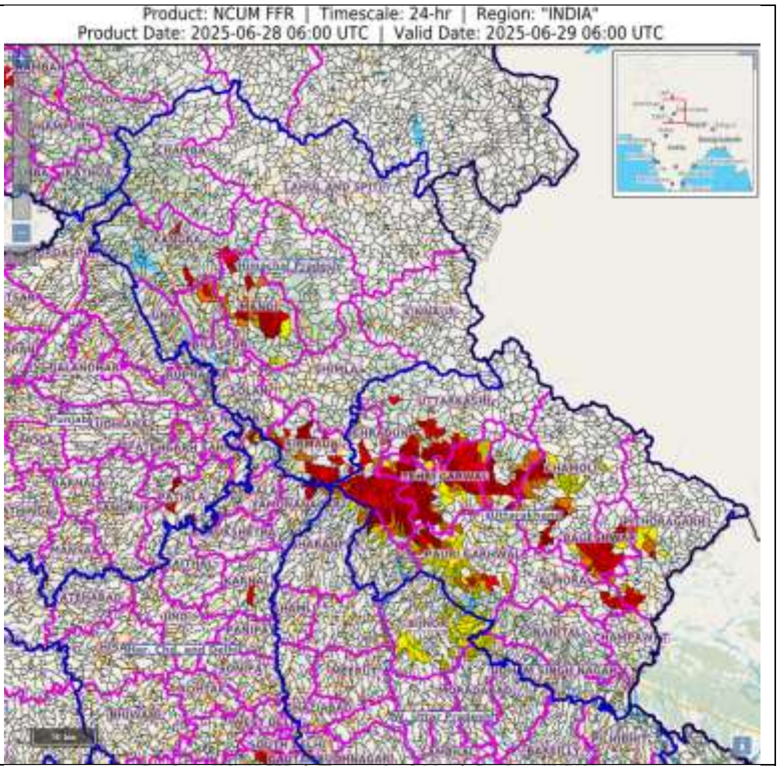

29-06-2025 के 1130 IST तक फ्लैश फ्लड रिस्क (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-विभागों के कुछ जलक्षेत्रों और पड़ोस में मध्यम से उच्च फ्लैश फ्लड जोखिम की संभावना है।

केरल - कन्नूर, वायनाड, कोझीकोड, मलप्पुरम, पलक्कड़, एरानाकुलम, इडुक्की, कोट्टायम, अलप्पुझा और कोल्लम जिले।

अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा की वजह से मानचित्र में दिखाए गए अनुसार चिंता के क्षेत्र (AoC) में कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।

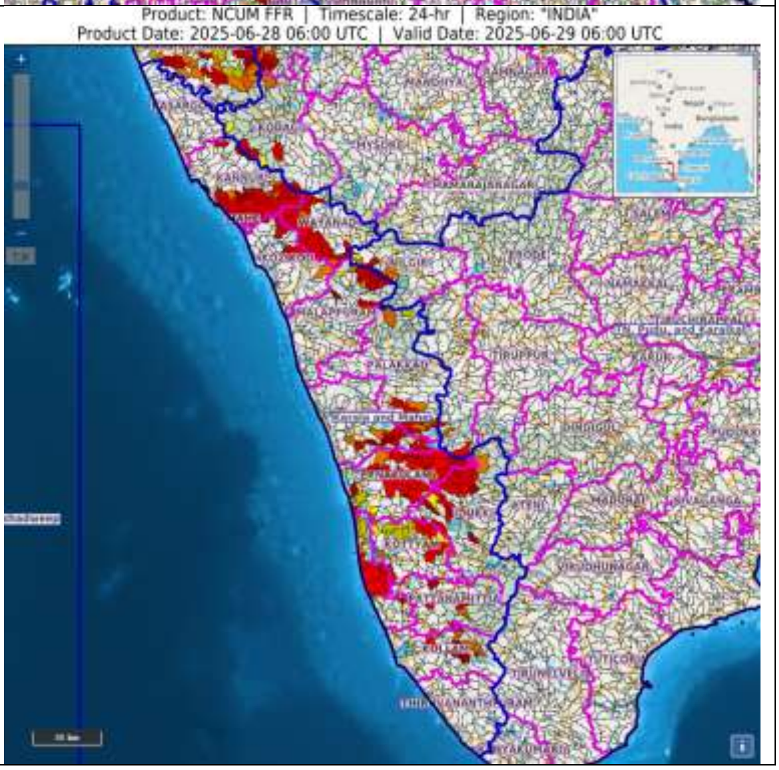

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- भारी वर्षा: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी वर्षा: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी वर्षा: >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिम भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

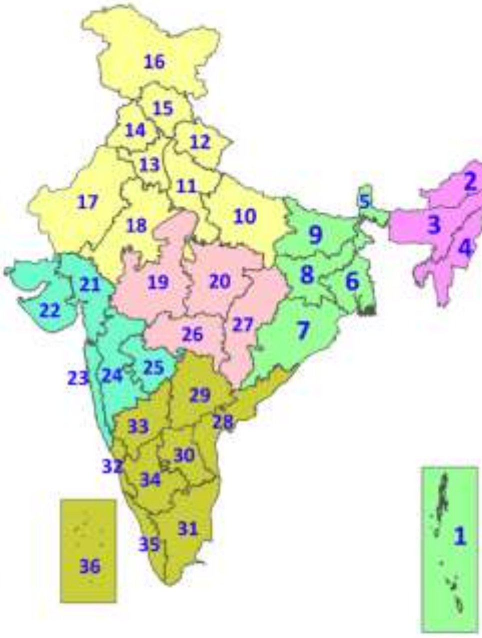

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- Fog
- Heavy Rain
- Very Heavy Rain
- Extremely Heavy Rain
- Thunder & Lightning
- Hailstorm
- Dust Raising Winds
- Heavy Snow
- Dust Storm
- Heat Wave
- Warm Night
- Hot Day
- Hot & Humid
- Strong Surface Winds
- Cold Wave
- Cold Day
- Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)